नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

# परीक्षा तंत्र के ढांचे में बदलाव जरूरी

निश्चित ही यह सुखद बात ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिये आयोजित हुई नीट परीक्षा को दुबारा कराने की मांग खारिज कर दी है. हालांकि, इस विषय को लेकर आए फैसले का मानवीय पक्ष यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 लाख अभ्यर्थियों को होने वाली परेशानी को प्राथमिकता दी है. इसके बावजूद शीर्ष अदालत का फैसला भारत में परीक्षा प्रक्रियाओं में प्रणाली गत सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है. कोर्ट के व्यावहारिक फैसले के बावजूद इस विवाद ने हमारी शैक्षिक व परीक्षा प्रणाली के भीतर व्याप्त विसंगतियों को भी उजागर किया है. मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी कि लीक परीक्षा प्रणाली का उल्लंघन नहीं है, एक अस्थायी राहत जरूर प्रदान करता है, लेकिन इस सिस्टम में अंतर्निहित कमजोरियों को संबोधित किया जाना जरूरी है. इसके बावजूद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी यानी एनटीए और आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अनुसार बिहार के हजारीबाग और पटना में लीक महत्वाकांक्षी चिकित्सा पेशेवरों के लिये होने वाली महत्वपूर्ण परीक्षा आयोजन के तौर-तरीकों की विश्वसनीयता पर प्रश्न तो उठाते ही हैं. प्रभावित छात्रों के मामलों को निपटाने के लिये, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी पर न्यायालय की निर्भरता समस्या के दीर्घकालीन समाधान के बजाय एक कामचलाऊ दृष्टिकोण को ही दर्शाती है. वहीं दूसरी ओर गत जून माह में यूजीसी-नेट परीक्षा का रद्द होना भी चिंताओं को और बढ़ा देता है.

केंद्रीय गृह मंत्रालय को अज्ञात सूत्रों से मिले तथ्यों के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की थी. हालांकि यह कदम छात्रों के हितों की तात्कालिक रक्षा की दृष्टि से सार्थक है लेकिन यह घटनाक्रम हमारी परीक्षा तंत्र के बुनियादी ढांचे की कमजोरी को ही उजागर करता है. कह सकते हैं कि परीक्षा तंत्र की संवेदनशीलता के मद्देनजर ऐसे तदर्थवाद व पारदर्शिता की कमी छात्र समुदाय में अविश्वास व चिंता को बढ़ाते हैं. हाल की ये घटनाएं प्रतियोगी परीक्षाओं तथा परीक्षाएं आयोजित करने वाले तंत्र के ढांचे में व्यापक बदलाव की जरूरत को बताती हैं. शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि एन.टी.ए. की संरचना की समीक्षा के लिये एक उच्च स्तरीय समिति की स्थापना की जाएगी, निश्चित रूप से यह संस्था की विश्वसनीयता बनाये रखने की दिशा में एक उचित कदम है. हालांकि, इसके साथ ही परीक्षाओं में सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिये मजबूत उपायों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए. निस्संदेह, गाहे-बगाहे होने वाले परीक्षा घोटाले न केवल शैक्षणिक संस्थानों की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं बल्कि शिक्षा और कैरियर के नाजुक मोड़ पर खड़े युवा उम्मीदवारों के भविष्य को भी प्रभावित करते हैं.भारत एक युवाओं का देश है. ऐसे में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का सदुपयोग करने के लिये प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है.

इस घटनाक्रम के बाद सरकार को परीक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल करने और युवाओं की आकांक्षाओं को संबल देने के लिये इस क्षेत्र में सुधारों को वरीयता देनी चाहिए. निस्संदेह, मेडिकल प्रवेश परीक्षा के मामले के निस्तारण में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता की सराहना की जानी चाहिए. बड़ी संख्या में याचिकाएं परीक्षा दोबारा आयोजित कराने के लिये दायर किये जाने के बावजूद, लाखों छात्रों के हित व वक्त की जरूरत के मुताबिक कोर्ट ने तार्किक फैसला दिया.जिसमें इस बात पर ध्यान दिया गया कि किसी गड़बड़ी से परीक्षा किस सीमा तक प्रभावित हुई है. कोर्ट ने इस बाबत ठोस व तार्किक पक्ष को प्राथमिकता दी. साथ ही परीक्षा के सामाजिक पक्षों को भी ध्यान में रखा.निश्चित रूप से जिन परीक्षार्थियों का चयन हो चुका था, उन्हें पुन- परीक्षा देने को बाध्य करना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता. बहरहाल, इस मामले में सीबीआई द्वारा तत्परता से की गई कार्रवाई और संदिग्धों की गिरफ्तारी उन लोगों में भय पैदा करेगी, जो लंबे अर्से से परीक्षा लीक के काले धंधे में धंसे हुए थे. जाहिर है कि शासन-प्रशासन की सक्रियता, सख्ती व समय रहते कार्रवाई किसी भी क्षेत्र में शुचिता स्थापित करने में सहायक हो सकती है.

मनरेगा बजट में 43 प्रतिशत वृद्धि

# सरकार ग्रामीण लोगों के हितों का रखेगी ख्याल

ओजस्कर पाण्डेय

**सरकार** ने इस साल मनरेगा के लिए 86,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में योजना के वास्तविक व्यय 1.05 लाख करोड़ रुपये से 19,297 करोड़ रुपये कम है. हालाँकि, पिछले वित्त वर्ष में 60 हज़ार करोड़ रुपये ही आवंटित किए गए थे. इस साल मनरेगा के लिए आवंटन कुल बजटीय आवंटन का सिर्फ 1.78 प्रतिशत है, जो योजना के वित्तपोषण में दस साल का सबसे कम है. पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह से मनरेगा के आवंटन में कमी आई है, इसको लेकर ग्रामीण रोजगार और ख़पत को लेकर कई तरह की आशंकाएँ जताई जा रही हैं. मनरेगा देश की सबसे बड़ी रोजगार परक योजना है. इस योजना में 24 करोड़ 80 लाख ग्रामीण रजिस्टर्ड है जो हर साल 100 दिन का रोजगार प्राप्त करने के हकदार है.

केंद्र सरकार ने बजट 2024 में मनरेगा का बजट 26 हजार करोड़ बढ़ा दिया है. लेकिन देश के विभिन्न राज्यों के 1 करोड़ से कम मजदूरों को अब योजना का लाभ नहीं मिलेगा. उन्हें ग्राम पंचायत स्तर पर 100 दिन का रोजगार नहीं दिया जाएगा. इन लोगों के नाम हटाने के पीछे सरकार ने कुछ कारण बताए हैं. मनरेगा योजना का लाभ नहीं मिलेगा और नाम हटाने के पीछे क्या कारण है इसे जानना जरूरी है. केंद्र सरकार ग्रामीण इलाकों में रोजगार सृजन के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी एक्ट के माध्यम से हर साल बड़ी राशि खर्च करती है. अब मनरेगा योजना के तहत वित्तवर्ष 2024-25 में 86 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे. केंद्र सरकार ने अपने अंतरिम बजट 2024 में मनरेगा योजना का बजट 26 हजार करोड़ रुपए बढ़ा दिया है. इस बजट में मनरेगा के लिए अनुमानित राशि पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा है. जबकि गत वित्तवर्ष में मनरेगा का बजट 60 हजार करोड़ रुपए था. वहीं 2014-15 में यह राशि 33 हजार करोड़ रुपए थी. मनरेगा का बजट बढ़ाकर ग्रामीण भारत के लोगों को संदेश दे दिया है कि सरकार उनके हितों का हमेशा ध्यान रखेगी, गांव में ही रोजगार के अवसर हमेशा मिलते रहेंगे.

ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी एक्ट में देश के 25.80 करोड़ परिवार पंजीकृत है जिनमें से 14.33 करोड़ परिवार सक्रिय है. इन सक्रिय मजदूरों ने बीत तीन साल के दौरान कम से कम एक दिन काम किया है. वित्तीय वर्ष 2023-24 में एक फरवरी 2024 तक कुल 85.64 लाख जॉब कार्ड सिस्टम से हटा दिए गए हैं. वहीं अप्रैल 2022 से फरवरी 2024 तक 311.19 लाख जॉब कार्ड हटाए गए हैं. इन्हें अब मनरेगा मजदूरी का लाभ नहीं मिलेगा. मनरेगा जॉब कार्ड हटाने के पीछे मुख्य कारण ये बताए गए हैं. जिसमें फर्जी जॉब कार्ड धारक,डुप्लीकेट जॉब कार्ड धारक, काम करने के इच्छुक नहीं व्यक्ति, वे परिवार जो स्थायी रूप से ग्राम पंचायत से स्थानांतरित हो गए हैं, जॉब कार्ड में एक व्यक्ति और उसकी भी मृत्यु होने पर. मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत के 12 राज्यों में एक करोड़ से ज्यादा मजदूर मनरेगा योजना में पंजीकृत है. सबसे ज्यादा पंजीकृत मजदूर महाराष्ट्र से हैं जबकि सबसे ज्यादा सक्रिय मजदूर उत्तरप्रदेश में है. मनरेगा मजदूरों को योजना से बाहर के बाद मजदूरों में यह भ्रम बन गया है कि बैंक खाता आधार से लिंक नहीं होने के कारण उन्हें योजना से हटाया गया है जबकि ऐसा नहीं है.

## किसान तेजी से पारिश्रमिक कमाने वाले बन रहे हैं

जानकार बताते हैं कि 'मनरेगा बजट में 43 प्रतिशत वृद्धि और स्थिर कृषि बजट से ऐसी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का पता चलता है जिसमें किसान तेजी से पारिश्रमिक कमाने वाले बन रहे हैं. किसान बढ़ती महंगाई की वजह से पीएम-किसान सम्मान निधि में इजाफा होने और जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाए जाने की उम्मीद कर रहे थे. लेकिन मेरा मानना है कि मोदी सरकार पीएम-किसान निधि में वृद्धि के लिए उपयुक्त समय का इंतजार कर रही है.' ग्रामीण भारत के लिए अन्य मुख्य योजना थी मनरेगा, जिसे बजटीय आवंटन में तरजीह दी गई. मनरेगा योजना को 86,000 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन मिला है, जो वित्त वर्ष 2024 के आरई के बराबर, लेकिन वित्त वर्ष 2024 के बीई से काफी ज्यादा है. वित्त वर्ष 2024 के आम बजट में मनरेगा के लिए शुरू में 60,000 करोड़ रुपये का प्रस्तावित आवंटन तय किया गया था, लेकिन बाद में केंद्र सरकार ने इसमें सबसे पहले 10,000 करोड़ रुपये और उसके बाद 16,000 करोड़ रुपये का इजाफा किया गया था. इसके साथ ही यह आवंटन बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 86,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. मनरेगा कार्यक्रम न्यूनतम 100 दिन के औसत रोजगार का कानूनी अधिकार प्रदान करता है.

## बांग्लादेश में छात्र आंदोलन

# भारत शेख हसीना से हटकर भी सोचे

**सीमा** सुरक्षा बल (बीएसएफ) की पूर्वी कमांड के अधिकारियों ने कहा कि पिछले चार दिनों के दौरान बांग्लादेश से भारत में 4,315 छात्रों ने प्रवेश किया है, जिनमें से 3,087 भारतीय हैं, 41 बांग्लादेशी हैं, 1,118 नेपाली हैं, 66 भूटानी हैं, दो मालदीव के और एक कनाडा का छात्र है. इसके अतिरिक्त कुछ बांग्लादेशी नागरिकों ने भी पश्चिम बंगाल में शरण ली है. इससे बांग्लादेश की चिंताजनक स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है, जहां अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा हुआ है. सेना सड़कों पर उतरी हुई है. देखते ही गोली मारने के आदेश दिए गए हैं, इंटरनेट सेवाएं बंद हैं, लेकिन हिंसक वारदातें रुकने का नाम ले रही हैं. हिंसक घटनाओं में अब तक 146 लोग मारे गए है, जबकि अपुष्ट खबरों के अनुसार मृतकों की संख्या 200 से अधिक है व घायलों की संख्या हजारों में है. हालांकि 21 जुलाई को बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने स्वतंत्रता सेनानियों व उनकी संतानों के लिए सरकारी जॉब्स में विवादित आरक्षण को निरस्त कर दिया है, जोकि आरक्षण विरोधी प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग थी. लेकिन अभी भी स्थिति सामान्य नहीं हुई है; क्योंकि प्रदर्शनकारी बड़ी संख्या में गिरफ्तार किये गए अपने साथियों की रिहाई की मांग करने के साथ ही आरक्षण नीति पर स्थायी कानून की मांग कर रहे हैं. साथ ही उनकी यह मांग भी है कि हिंसा के लिए प्रधानमंत्री शेख हसीना माफी मांगें. इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि वर्तमान आरक्षण हिंसा के लिए शेख हसीना व उनकी आवामी लीग की दमनकारी नीतियां जिम्मेदार हैं. आवामी लीग सरकार के विरोध में दुनिया के अलग अलग देशों में भी प्रदर्शन हुए और विश्व नेताओं ने निंदा व आलोचना की है. दिल्ली ने हमेशा ही ढाका में शेख हसीना का समर्थन किया है, लेकिन अब समय आ गया है कि वह शेख हसीना से अलग हटकर सोचे. आज बांग्लादेश में जो कुछ देखने को मिल रहा है, वह आरक्षण राजनीति, विपक्ष के लिए जगह का अभाव और तानाशाह होती जा रही सरकार का घातक मिश्रण है.

### छात्रों को रजाकार कहा

शेख हसीना ने जनवरी 2024 में जो लगातार अपना चौथा टर्म जीता था, उस चुनाव का सभी मुख्य विपक्षी दलों ने बायकाट किया था. बांग्लादेश में स्थिति बद से बदतर हो रही है. महंगाई 10 प्रतिशत के आसपास घूम रही है. युवाओं में बेरोजगारी चरम पर है. 170 मिलियन की जनसंख्या में लगभग 32 मिलियन युवा काम या शिक्षा से बाहर हैं. ऐसे में जब 30 प्रतिशत जॉब्स 1971 के स्वतंत्रता सेनानियों के लिए आरक्षित कर दिए जायेंगे और उनका विस्तार उनके पोते पोतियों तक कर दिया जायेगा तो युवाओं का गुस्सा फूटना स्वाभाविक है, शेख हसीना अपने हक के लिए संघर्ष कर रहे छात्रों को रजाकार कह रही हैं, बांग्लादेश में 'रजाकार' अपमानजनक शब्द है; क्योंकि यह उन लोगों के लिए बोला जाता है, जिन्होंने 1971 के स्वतंत्रता आंदोलन में पाकिस्तान का साथ दिया था.

जब भी आवामी लीग सत्ता में रही तो आरक्षण को सख्ती से लागू किया गया, लेकिन जब बीएनपी व उसके सहयोगी दल सत्ता में आये तो आरक्षण को अनदेखा कर दिया गया. एक समय सरकारी नौकरियों में विभिन्न श्रेणियों का आरक्षण 58 प्रतिशत तक पहुंच गया था और धारणा बन गई थी कि आवामी लीग आरक्षण के दम पर ही सत्ता में रहती है. आवामी लीग ने स्वतंत्रता सेनानियों व उनके वंशजों के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण कर दिया था. जब इसका विरोध हुआ तो इसे 2018 में हटा लिया गया था, लेकिन 5 जून 2024 को हाईकोर्ट ने सरकार में हर स्तर पर 30 प्रतिशत आरक्षण को स्वतंत्रता सेनानियों और उनके बच्चों व पोता पोती के लिए फिर से स्थापित कर दिया.

### बढ़ता जा रहा जनाक्रोश

शेख हसीना व उनकी आवामी लीग के प्रति जो जनाक्रोश निरंतर बढ़ता जा रहा है वह भारत के लिए सुरक्षा की असमंजस स्थिति उत्पन्न करता है. एक बात जो भारत के पक्ष में बिल्कुल नहीं होगी वह यह है कि शेख हसीना के बाद बांग्लादेश में ऐसे लोग सत्ता में न आ जायें जिनका रिमोट कंट्रोल इस्लामाबाद (पाकिस्तान) के हाथ में हो. अपने स्ट्रेटेजिक हितों को सुरक्षित रखने के लिए दिल्ली को अपना ट्रैक बदलते हुए बांग्लादेशी सियासत के सभी वर्गों में अपनी पैठ बनानी चाहिए यानी शेख हसीना से भी अलग हटकर सोचना चाहिए.

# किम जोंग शैतान, द. कोरिया को बनाया कूड़ादान

**भारतीयों** के लिए यह आदत नई नहीं है कि पड़ोसी के आंगन में चुपके से कूड़ा फेंक दिया जाए. न्यूटन के गुरूत्वाकर्षण नियम के अनुसार ऊपर की मंजिल वालों का कचरा ग्राउंड फ्लोर पर ही गिरता है. वह अंतरिक्ष में नहीं जाता. अंतरिक्ष में कचरा फैलाने की जिम्मेदारी उपग्रह छोड़नेवाले वैज्ञानिकों की होती है. निकम्मे हो चुके पुराने सैटेलाइट वहां मंडराने के लिए छोड़ दिए जाते हैं. एलन मस्क भी निजी अंतरिक्ष यात्रा या स्पेस ट्रिप के जरिए प्रदूषण फैलाने में काफी योगदान देते हैं. जब कर्मचारी ठीक से काम नहीं करता तो मालिक कहता है- क्या कचरा करके रख दिया! फिलहाल उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने कचरा निपटान का अनोखा फार्मूला खोज निकाला है. उन्होंने गुब्बारे के जरिए अपने मुल्क का कचरा दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति भवन पर गिरा दिया. यदि हवा का बहाव दक्षिण दिशा में होगा तो साउथ कोरिया ऐसे और भी कचरावाही गुब्बारों की उम्मीद कर सकता है. साउथ कोरिया के राष्ट्रपति की सिक्योरिटी सर्विस ने कहा कि कचरे में कोई खतरनाक सामग्री नहीं थी. तो क्या उन्हें किसी मिसाइल या बम का इंतजार है? उन्हें उत्तर कोरिया के बदबूदार कचरे से संतोष कर लेना चाहिए. मुफ्त में जो भी मिलता है, लेते चले जाओ. महात्मा गांधी ने कहा था- कोई एक चपत तुम्हारे गाल पर मारे तो दूसरा गाल भी उसके आगे कर दो. साउथ कोरिया इस कचरे के उपहार के लिए किम जोंग को थैंक यू कहकर एक और खेप भेजने के लिए कह सकता है. क्या पता कचरे में कौन सी मूल्यवान चीज निकल आए. चंडीगढ़ में नेकचंद नामक व्यक्ति ने कचरे से सेरामिक, पॉटरी बटोरकर रॉक गार्डन बना डाला जिसे देखने दूर-दूर से लोग आते हैं और कचरे से कला निर्माण की सराहना करते हैं. किम जोंग के दिमाग में तानाशाही के नकारात्मक विचारों का कचरा भरा हुआ है. वह दक्षिण कोरिया पर कभी फूल नहीं बरसाएगा बल्कि कचरा ही गिराएगा ! किम जोंग के दरवाजे पर कभी कचरा गाड़ी इस गीत के साथ नहीं आएगी.... गाड़ी वाला आया, घर से कचरा निकाल !

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

# विपक्ष की वजह से कितना त्रास, मोदी को गला घोटे जाने का एहसास

**पड़ोसी** ने हमसे कहा, निशानेबाज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में आरोप लगाया कि विपक्ष लगातार 2 घंटे तक उनका गला घोंटता रहा. उनके इस बयान से स्पष्ट है कि विपक्ष न केवल कातिल नजरों से पीएम की ओर देखता आ रहा है बल्कि उसके हाथ भी उनके गले की ओर बढ़ने लगे हैं. संसद में लगाए गए आरोप पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होती इसलिए पीएम को चाहिए कि तुरंत जाकर पुलिस थाने में विपक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएं. वे चाहें तो साथ में कानून मंत्री को भी ले जा सकते हैं.

हमने कहा, कुछ बातें वास्तविक नहीं आभासी होती हैं. पीएम को मानसिक तौर पर अनुभूति हुई कि उनका गला घोंटा जा रहा है. मोदी को गले का महत्व विदित है. वे हमेशा लपककर विदेशी नेताओं से गले मिलते हैं. जब वह पुतिन को गले लगाते हैं तो पश्चिमी देशों के नेता तिलमिला जाते हैं. एनडीए गठबंधन में प्रगाढ़ संबंध बनाने के लिए वो नीतीश और नायडू दोनों को कहते हैं- आ गले लग जा! वैसे कुछ लोग गले लगते हैं और कुछ जबरदस्ती गले पड़ जाते हैं. आरएसएस को लगता है कि महाराष्ट्र में

अजीत पवार जबरदस्ती बीजेपी के गले पड़ गए. इससे पार्टी की छवि बिगड़ रही है.. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज जब बात गले की चल पड़ी है तो आपको बता बता दें कि बड़े गुलाम अली खां जैसे शास्त्रीय संगीत के महान गायक ने कहा था कि लता मंगेशकर के गले में खुदा बसता है. गायक या गायिका इमली, दही जैसी खट्टी चीजें नहीं खाते. उन्हें फिक्र रहती है कि कहीं उनका गला न बैठ जाए. गले की वजह से ही ईएनटी स्पेशलिस्ट डाक्टरों का धंधा चलता है. गले पर से हमें याद आया कि लोग बंद गले का जोधपुरी कोट पहनते हैं. मोदी को भी पं. नेहरू जैसी शेरवानी पहननी चाहिए. शेरवानी से गला ढका होने से सुरक्षित रहता है. किसी का गला सुरीला रहता है तो किसी का कर्कश! सुंदरियों की गर्दन लंबी और सुराहीदार हुआ करती है. जब व्यक्ति अत्यंत भावुक हो जाता है तो उसका गला या कंठ अवरुद्ध हो जाता है और मुंह से आवाज नहीं निकलती.

हमने कहा, गला है इसीलिए नेकलेस बनता है. हीरे का हार गले की शोभा बढ़ा देता है. बड़े नेताओं के गले में हाथी की सूंड के समान मोटे पुष्पहार पहनाए जाते हैं जिन्हें बंगलुरू से हवाई जहाज से मंगाया जाता है. याद रखिए कि यह गला ही है जिससे मोदी के मन की बात निकलती है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

## CROSS WORD 11618 -डॉ. सागर खादीवाला

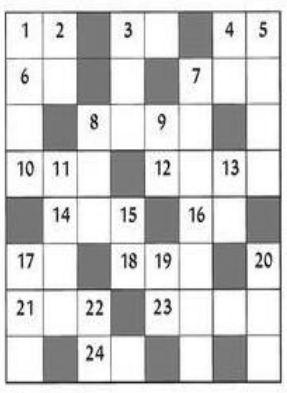

**बायें से दायें**

1. इस समय, अभी 3. ऐसी वस्तु जो लीपी, पोती या चुपड़ी जाये 4. किसी व्यक्ति या वस्तु का बोध कराने वाला शब्द, संज्ञा, यश, कीर्ति. 6. मिट्टी. 7. पुष्परज, वह रज जो फूलों के बीच केसरों पर जमी रहती है (सं.). 8. निरपराध (उर्दू). 10. पिस्तौल. 12. प्रसिद्ध (उर्दू). 14. वह स्थान जहां से आगे की ओर दो मार्ग जाते हों. 16. बहादुर, पराक्रमी. 17. हिंसक जानवरों के रहने की जगह. 18. हिलोर, तरंग. 21. निर्धन, दीन-हीन (उर्दू). 23. दबने पर बीच से झुकना. 24. लड़की, लाड़ली लड़की

**ऊपर से नीचे**

1. थाती, धरोहर (उर्दू). 2. गोली, बड़ी नामक पकवान, 3. लिखने वाला, ग्रंथ लिखने वाला. 4. अपनी मांग शिकायत आदि की ओर ध्यान दिलाने के लिए बार-बार बुलंद की जाने वाली आवाज. 5. घमंडी, अभिमानी (उर्दू). 7. असाधारण वीरता प्रदर्शित करने पर भारतीय गणतंत्र में दिया जाने वाला प्रथम श्रेणी का उपहार या उपाधि. 8. जिसका कोई साथी या सहारा न हो (उर्दू) 9. निर्जन, एकांत, जहां कोई न हो 11. सूक्ष्म पेट वाली, रावण की पत्नी का नाम (सं.). 13. दूल्हा, देवता आदि से मांगा हुआ मनोरथ (सं.). 15. अवस्था, दशा, समाचार, वृतांत (उर्दू). 17. किसी वस्तु के देने के लिए प्रार्थना करना, चाहना. 19 भूमि जोतने का प्रसिद्ध उपकरण. 20. यतीम, बिना मां- बाप का, 22. शक्ति, सामर्थ्य.

**Solution 11617**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श | ब | न | मी | ■ | सं | सा | र |
| प | ल | ■ | ना | ■ | वां | त | ज |
| थ | ■ | मौं | का | ■ | द | ■ | त |
| ■ | र | ■ | र | खा | दा | र | ■ |
| उ | ज | ला | ■ | ■ | ता | ■ | सि |
| प | नी | र | ■ | ओ | ■ | मा | ह |
| दे | श | ■ | रा | ह | र | दा | र |
| श | ■ | व | र | दा | न | ■ | ना |

## ज्योतिषाचार्य पं. नारायणशंकर नाथूराम व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

### आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी. पद का लाभ प्राप्त होगा. व्यवसायिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी. धार्मिक कार्यों में संलग्नता रहेगी. वर्ष के अन्त में शत्रु कष्ट होगा, चिन्ता रहेगी, किन्तु निवारण भी होगा. व्यर्थ के वाद विवाद एवं व्यय से बचने का प्रयास करें. मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पद का लाभ प्राप्त होगा. सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शत्रु कष्ट होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को मांगलिक कार्यों में खर्च होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को उन्नति के योग है. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को यश और सम्मान में वृद्धि होगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये यश और पुरूषार्थ बना रहेगा.

### आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, व्यक्तित्वान होगा. बचपन में स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा. स्वाभाव से चंचल और जिद्दी होगा. अपनी मनमर्जी का मालिक होगा. खेलों के प्रति अधिक रूचि रखेगा. किसी कला के क्षेत्र में उन्नति करेगा.

**मेष**- महत्वपूर्ण कार्य अटक सकते हैं, सावधानी रखकर कार्य करें, समय का सदुपयोग करें, किसी तरह की चोट मोच से शारीरिक कष्ट हो सकता है.

**वृषभ**- घर की साज सज्जा नवीनीकरण का मन बनेगा, उच्च शिक्षा का अवसर मिलेगा, पारिवारिक चिन्ता रह सकती है, कार्यो में प्रगति होगी.

**मिथुन**- आप योजनाओं को समय से पहिले पूरा कर सकते हैं, जिससे अच्छा लाभ होगा, शत्रुओं पर विजय मिलेगी, व्यर्थ की चिन्ता रह सकती है.

**कर्क**- कार्यक्षेत्र में सफलता के लिये नई तकनीक सीख सकते हैं, लेखनादि के कार्यो मे सफलता मिलेगी, संतान प्राप्ति एवं सुख प्राप्ति का योग है.

**सिंह**- नये कारोबार का मन बन सकता है, वाहनादि का सुख प्राप्त होगा, भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी, लाभ होगा. खर्च की अधिकता रहेगी.

**कन्या**- विवादास्पद मामलों से अभी आप दूर रहें, रोगी के कार्यो में खर्च होगा, किसी उत्सव में जाने का अवसर मिलेगा, मांगलिक कार्यो पर विचार होगा.

**तुला**- आप किसी के साथ मिलकर नई साझेदारी कर सकते हैं, कामकाज पूरा होगा, कोर्ट कचहरी आदि के कार्यासें में सफलता प्राप्त होगी .

**वृश्चिक**- दूसरों की पूँजी का उपयोग कर आप अच्छा लाभ कमा सकते हैं,धन के स्त्रोत बढेंगे, निजी पुरूषार्थ की प्राप्ति होगी, सम्मान प्राप्त होगा.

**धनु**- परिवार में समझौते करके चलना लाभकारी रहेगा, घरेलू यात्रा का योग है, अनावश्यक कार्यो में समय खर्च होगा, दौड़धूप करना पड़ेगी.

**मकर**- करीबी रिश्तेदारों की चिन्ता होगी, शुभ कार्यो की शुरूआत संभव है, व्यापार व्यवसाय लाभप्रद रहेगा, उन्नति होगी. कुटुम्बियों से सुख प्राप्त होगा,

**कुम्भ**- मित्र या रिश्तेदार की मदद करना होगी, राजकीय कार्यो में सफलता मिलेगी, नौकरी में लाभ होगा, मनोरंजक स्थल की सैर होगी.

**मीन**- पैतृक संपत्ति संबंधी विवाद सामने आ सकते हैं, महत्वपूर्ण निर्णय अभी टाल दें, कोई समस्या दूर होगी, व्यापार व्यवसाय लाभप्रद रहेगा.

### उदयकालीन ग्रह चाल

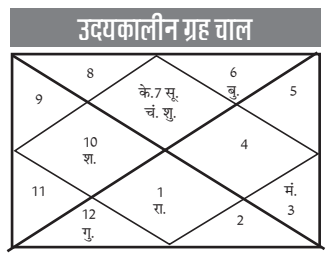


### पंचांग

रा.मि. 05 संवत् 2081 श्रावण कृष्ण सप्तमीं शनिवासरे रात 12/32, रेवती नक्षत्रे शाम 5/3, सुकर्मा योगे प्रात: 6/15 तदुपरि धृति योगे रात 3/15, विष्टि करणे सू.उ. 5/22 सू.अ. 6/38, चन्द्रचार मीन शाम 5/3 से मेष, शु.रा. 12,2,3,6,7,10 अ.रा. 1,4,5,8,9,11 शुभांक-5,7,1.

### व्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण सप्तमीं को रेवती नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, जौ, चना, बाजरा के भाव में जोरदार तेजी होगी, गुड़ खांड़, में नरमी का रूख रहेगा, बादाम कुम्भ, के भाव में समता रहेगी.भाग्यांक 1415 है.

### SUDOKU 6750

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 2 | | | | 1 | | |
| | | | | 2 | 5 | 7 | 3 | |
| | 9 | 4 | | 6 | 7 | | | 2 |
| | 5 | | 4 | | 3 | | | 9 |
| | 8 | | | 9 | | | 7 | |
| 1 | | | 6 | | 8 | | 2 | |
| 6 | | | 7 | 4 | | 9 | 5 | |
| | 4 | 5 | 8 | 3 | | | | |
| | | 8 | | | | 6 | | |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 6749

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 1 | 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 |
| 8 | 2 | 3 | 4 | 5 | 9 | 1 | 7 | 6 |
| 4 | 5 | 7 | 1 | 6 | 8 | 3 | 9 | 2 |
| 5 | 6 | 8 | 7 | 1 | 2 | 9 | 3 | 4 |
| 1 | 7 | 4 | 9 | 8 | 3 | 2 | 6 | 5 |
| 2 | 3 | 9 | 5 | 4 | 6 | 8 | 1 | 7 |
| 7 | 4 | 1 | 8 | 9 | 5 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 8 | 5 | 6 | 2 | 1 | 7 | 4 | 9 |
| 6 | 9 | 2 | 3 | 7 | 4 | 5 | 8 | 1 |